राष्ट्रीय हिन्दी/साप्ताहिक

हिन्दुस्तान एकता

वर्ष: 07 | अंक: 05 | पृष्ठ: 04 | मूल्य: ₹1.00

info@hindustanekta.com

कैथल, शनिवार 4 अप्रैल, 2026

RNI-HRHIN/26/A1127

सूर्यास्त 06:44 | सूर्योदय 06:13

तापमान

अधिकतम 31° | न्यूनतम 18°

न्यूज ब्रीफ

प्रकाश बंसल बने अग्रवाल वैश्य समाज के जिला अध्यक्ष

कैथल » अग्रवाल वैश्य समाज कैथल इकाई की एक बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष विनोद सिंगला ने की इस दौरान संगठन को मजबूत बनाने और विभिन्न पदों पर नियुक्तियों को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए बैठक में सर्वसम्मति से विभिन्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई जिनमें प्रकाश बंसल को प्रधान, पंकज मित्तल को महासचिव नियुक्त किया गया। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देते हुए अक्षरा गुप्ता को महिला जिला अध्यक्ष तथा रीधी गुप्ता को महिला हल्का अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसी प्रकार संगठनात्मक ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए मनोज सिंगला को विधानसभा अध्यक्ष और प्रदीप गुप्ता को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। युवा वर्ग को प्रतिनिधित्व देते हुए जयंत बिंदलिश को युवा अध्यक्ष बनाया गया जबकि मुकेश सिंगला को स्टेट सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (यूथ) की जिम्मेदारी दी गई।

6 अप्रैल को डीसी करेंगी महिला सरपंचों के साथ विशेष बैठक

कैथल » डीडीपीओ रितु लाठर ने बताया कि छह अप्रैल को सुबह 10 बजे लघु सचिवालय के सभागार में जिले की सभी महिला सरपंचों की विशेष बैठक की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता स्वयं डीसी अपराजिता करेंगी।इसमें ग्रामीण विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। इस संबंध में सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं। प्रत्येक खंड की सभी महिला सरपंचों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। साथ ही हर खंड से कम से कम दो महिला सरपंचों को ग्राम पंचायत का पूरा रिकॉर्ड साथ लाने के निर्देश दिए गए हैं।

नए सत्र का शुभारंभ... डीएवी विद्यालय में 101 कुंडीय हवन

नारायणगढ़ » डीएवी पब्लिक (सी.सै.) विद्यालय में 2 अप्रैल को 101 कुंडीय हवन के माध्यम से नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ किया गया। स्कूल प्रधानाचार्य डॉ. आरपी राठी की अध्यक्षता में छात्रों और अध्यापकों ने वैदिक मंत्रों के साथ आहुतियां दीं। एडवोकेट देविंदर सिंह, जगमाल वालिया और आर्य समाज के सदस्य भी उपस्थित रहे। प्राचार्य ने विद्यार्थियों को सफलता और सशक्त चरित्र निर्माण पर जोर दिया, जबकि धर्मपाल शास्त्री ने परिश्रम, अनुशासन और ईमानदारी को सफलता का मूल मंत्र बताया। कार्यक्रम का समापन शांति पाठ और प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

गुहला-चीका दौरे पर डीसी सख्त, मंडी से तहसील तक व्यवस्थाओं की ली समीक्षा

» खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता, साफ-सफाई और लंबित मामलों के शीघ्र निपटान के दिए निर्देश

कलासो देवी » गुहला/चीका

डीसी अपराजिता ने बुधवार को गुहला क्षेत्र का दौरा कर चीका अनाज मंडी, एसडीएम कार्यालय और तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को व्यवस्थाएं सुधारने और कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए। निरीक्षण के समय एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। डीसी ने सबसे पहले अनाज मंडी में गेहूं खरीद कार्य की समीक्षा की। उन्होंने सीसीटीवी कंट्रोल रूम और कंप्यूटर रूम का निरीक्षण करते हुए ई-खरीद प्रणाली के तहत किसानों के बायोमेट्रिक विवरण की स्वयं जांच की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए और खरीद प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहे।

अटल कैंटीन का निरीक्षण करते हुए डीसी ने भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मंडी में खराब सड़कों पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने तुरंत मरम्मत के आदेश दिए। साथ ही पेयजल, शौचालय, बिजली और सफाई जैसी मूलभूत सुविधाओं को दुरुस्त रखने को कहा।

आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता पर समाधान...

इसके बाद एसडीएम और तहसील कार्यालय में निरीक्षण के दौरान डीसी ने लंबित मामलों, सीएम विंडो शिकायतों और रिकॉर्ड व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी लंबित मामलों का समयबद्ध निपटान सुनिश्चित किया जाए और आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाए।

आइएचसीएल की फ्री ट्रेनिंग से 18 लड़के लड़कियों को मिली प्राइवेट सेक्टर में नौकरियां

» विधायक आदित्य सुरजेवाला की पहल पर 45 दिवसीय जॉब रेडीनेस प्रोग्राम सफल

जाट कॉलेज, कैथल में अगला बैच भी होगा बहुत जल्द शुरू

हिन्दुस्तान एकता » कैथल

जिले के ग्रामीण और कम सुविधा वाले युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खुल गए हैं। ताज होटल्स वाले इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आइएचसीएल) और हेड हेल्ड हाई फाउंडेशन के सहयोग से कैथल के जाट कॉलेज में चलाए गए 45 दिवसीय फ्री जॉब रेडीनेस ट्रेनिंग प्रोग्राम में शामिल 23 लड़के-लड़कियों में से 18 को अच्छी सैलरी के साथ प्राइवेट कंपनियों में नौकरी मिल गई है।

यह सफलता कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला की दूरदर्शी पहल और निरंतर प्रयासों का नतीजा है। उन्होंने ही इस प्रोग्राम को कैथल में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और जाट कॉलेज में सफल युवाओं को जॉब ऑफर सर्टिफिकेट सौंपे।

प्रोग्राम में युवाओं को हॉस्पिटैलिटी, सर्विस और अन्य सेक्टरों में नौकरी के लिए तैयार किया गया। प्रमुख स्किल्स सिखाई गईं जिसमें कम्युनिकेशन स्किल्स, डिजिटल साक्षरता, पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, वर्क रेडीनेस, लॉजिकल स्किल्स, इंटरव्यू स्किल्स हैं। इस ट्रेनिंग के बाद 23 लड़के लड़कियों ने पूरा कोर्स किया, जिनमें से 18 ने हॉस्पिटैलिटी और संबंधित क्षेत्रों में अच्छी नौकरियां हासिल कर लीं। नौकरी पाने वाले युवाओं और उनके परिवारजनों ने विधायक आदित्य सुरजेवाला का आभार जताया।

इस मौके पर जाट शिक्षण संस्थान प्रधान राजकुमार बेनीवाल, उपप्रधान बलजिंद्र भनवाला, सेक्रेटरी रश्मि ढुल, कैशियर बलकार नैन, कार्यकारिणी सदस्य जसबीर मानस जस्सी, सदस्य राजपाल जागलान, सदस्य महावीर तारागढ़, कुलदीप गोपरा, कुलबीर चहल सहित अन्य साथी मौजूद रहे।

हवन-यज्ञ के साथ एवरेस्ट स्कूल में नए सत्र की शुरुआत

पूंडरी » एवरेस्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बरसाना में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ पारंपरिक हवन-यज्ञ के साथ श्रद्धा और उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, अध्यापकों व अभिभावकों ने भाग लेते हुए आहुतियां डालीं और वैदिक मंत्रोच्चार किया। स्कूल प्रिंसिपल टेक चंद शर्मा ने हवन-यज्ञ के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे वातावरण शुद्ध करने और प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने का माध्यम बताया। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करने के लिए प्रेरित किया। स्कूल प्रबंधक जसमेहर सिंह ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति समर्पित रहने और विद्यालय की सुविधाओं का सही उपयोग करने का संदेश दिया।

कैथल में प्राचीन पांडुलिपियों के सर्वे को तेज करने के निर्देश

कलासो देवी » कैथल

डीसी अपराजिता ने ज्ञान भारतम मिशन के तहत जिले में प्राचीन ऐतिहासिक, धार्मिक पांडुलिपियों और अभिलेखों के सर्वे को निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। यह निर्देश उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव द्वारा आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस के बाद अधिकारियों की बैठक में दिए। उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य प्राचीन पांडुलिपि विरासत का संरक्षण और व्यवस्थित दस्तावेजीकरण करना है, ताकि इतिहास को अधिक प्रमाणिक रूप से समझा जा सके।

डीसी ने आमजन से अपील की कि यदि किसी के पास प्राचीन पांडुलिपि या अभिलेख मौजूद हैं तो वे इसकी सूचना प्रशासन को दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे दस्तावेज संबंधित व्यक्ति के पास ही सुरक्षित रहेंगे, सरकार केवल उनका रिकॉर्ड तैयार करेगी और संरक्षण में सहयोग देगी। यदि कोई व्यक्ति अपने अभिलेख प्रशासन को सौंपना चाहता है, तो उन्हें पुरातत्व विभाग द्वारा संरक्षित किया जाएगा।

उन्होंने जिले के पुस्तकालयों, विश्वविद्यालयों, संस्कृत पाठशालाओं और संबंधित संस्थानों को निर्देश दिए कि वे जागरूकता फैलाएं और सर्वे में सहयोग करें। साथ ही फील्ड सर्वे, भौतिक सत्यापन और जियो टैगिंग कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार सुनिश्चित किया जाए।

हरियाणा विस पीएसी का स्टडी टूर सम्पन्न

हिन्दुस्तान एकता » चंडीगढ़

हरियाणा विधानसभा की प्रेस एडवाइजरी कमेटी (पीएसी) का कर्नाटक और तमिलनाडु स्टडी टूर पूरा होकर प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को चंडीगढ़ लौटा। इस अवसर पर कमेटी ने विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण का आभार व्यक्त किया।

टूर के दौरान 26 मार्च को कर्नाटक विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर फरीद से मुलाकात हुई। 27 मार्च को कर्नाटक विधानसभा का अवलोकन और सचिव एम. विशालाक्षी से बैठक हुई, जिसमें जानकारी मिली कि वहां प्रेस एडवाइजरी कमेटी नहीं है और मीडिया व्यवस्थाएं सूचना विभाग द्वारा की जाती हैं। 28 मार्च को कमेटी ने मैसूर के श्री चामुंडेश्वरी देवी मंदिर और मैसूर पैलेस का दौरा किया। 29 मार्च को ऊटी में पर्यटन स्थलों और नौका विहार का आनंद लिया। 30 मार्च को बेंगलुरु का भ्रमण किया। प्रतिनिधिमंडल में पीएसी अध्यक्ष चंद्र शेखर धरणी, सचिव योगेन्द्र शर्मा, सदस्य दिनेश भारद्वाज, अनुराग अग्रवाल, गीतांजलि गायत्री, संजीव शर्मा, राकेश गुप्ता, अनिल गाबा, आशीष वर्मा, थानेश्वर शर्मा, अंडर सेक्रेटरी नवीन भारद्वाज और मीडिया अधिकारी दिनेश कुमार शामिल रहे।

ऑपरेशन स्माइल शुरू गुमशुदा बच्चों-महिलाओं को मिलाएगी पुलिस

कैथल » हरियाणा पुलिस अप्रैल माह के दौरान 'ऑपरेशन स्माइल' अभियान चलाएगी। इसका उद्देश्य गुमशुदा, बाल मजदूरी या शोषण का शिकार बच्चों व महिलाओं को ढूंढकर उनके परिवार से मिलाना है। एसपी मनप्रीत सिंह सूदन के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई है, जिसमें महिला पुलिस कर्मियों को भी शामिल किया गया है। अभियान के तहत मानव तस्करी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने पर जोर रहेगा। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि ऐसी किसी भी जानकारी की सूचना तुरंत 112 या नजदीकी थाने में दें।

फिल्मी किरदारों के जरिए अफवाहों पर प्रहार

» युवाओं से जुड़ने के लिए प्रशासन ने अपनाई डिजिटल दौर की नई रणनीति

कलासो देवी » कैथल

वैश्विक स्तर पर अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव के चलते उत्पन्न परिस्थितियों को देखते हुए कैथल जिला प्रशासन ने एक अनूठी पहल की है। डीसी अपराजिता के नेतृत्व में प्रशासन ने आमजन तक सही एवं पुख्ता जानकारी पहुंचाने और अफवाहों पर रोक लगाने के लिए सोशल मीडिया 'मीम्स' को अपनाया है।

डिजिटल युग में तेजी से फैलती भ्रामक सूचनाओं और कालाबाजारी की आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने पारंपरिक तरीकों से हटकर युवाओं की भाषा में संवाद स्थापित करने की रणनीति अपनाई है। इसके तहत लोकप्रिय फिल्मी किरदारों और चर्चित डायलॉग्स का उपयोग कर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। इन मीम्स पोस्टरों में बॉलीवुड के चर्चित किरदारों का प्रभावशाली उपयोग किया गया है,

जो लोगों का ध्यान खींचने के साथ-साथ गंभीर संदेश भी दे रहे हैं। कालाबाजारी जैसे गंभीर विषय पर प्रहार करते हुए 'मिर्जापुर' के कालीन भैया के अंदाज में एलपीजी की जमाखोरी करने वालों को सख्त चेतावनी दी गई है कि यह 'रिस्क' भरा काम है। वहीं, 'हेरा फेरी' के मशहूर किरदार बाबूराव के माध्यम से किसानों को यूरिया और डीएपी के स्थान पर प्राकृतिक खाद अपनाने का संदेश मस्त प्लान के रूप में दिया गया है। इसके अलावा, 'धुरंधर' फिल्म के लुक का उपयोग कर यह संदेश भी दिया गया है कि असली 'धुरंधर' वही है जो गैस सिलेंडर की जमाखोरी नहीं करता।

प्रशासन का मानना है कि वैश्विक घटनाओं का स्थानीय स्तर पर भी असर पड़ सकता है, ऐसे में समय रहते जागरूकता बेहद जरूरी है। मीम्स के माध्यम से दिए जा रहे संदेश न केवल आसानी से समझ में आते हैं, बल्कि तेजी से सोशल मीडिया पर फैलते भी हैं, जिससे व्यापक जनसमूह तक बिना अतिरिक्त संसाधनों के प्रभावी पहुंच बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रशासन की अपील » वितरण पर कोई भी सीमा निर्धारित नहीं, अफवाहों पर ध्यान न दें...

जिले में पेट्रोल-डीजल और गैस की नहीं कोई कमी

कलासो देवी » कैथल

जिला खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक, वरिंद्र सिंह ने कहा कि जिले में पेट्रोल, डीजल और घरेलू रसोई गैस की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है तथा किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं है। साथ ही यह भी साफ किया है कि ईंधन वितरण पर किसी प्रकार की कोई कैप (सीमा) लागू नहीं की गई है। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें।

पेट्रोल, डीजल और गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी तथा अनाधिकृत उपयोग को रोकने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने उन क्षेत्रों के निवासियों से, जहां पीएनजी सुविधा उपलब्ध है, अधिक से अधिक पीएनजी कनेक्शन लेने का आग्रह किया है। पीएनजी गैस, एलपीजी की तुलना में किफायती और सुविधाजनक विकल्प है।

जिले की सभी 20 गैस एजेंसियों और 171 पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त मात्रा में ईंधन उपलब्ध है। घरेलू गैस सिलेंडरों की स्थिति भी संतोषजनक बनी हुई है। सुबह के समय जिले में 5529 सिलेंडरों का प्रारंभिक स्टॉक मौजूद था, जिसके बाद दिन के दौरान 6273 नए सिलेंडर प्राप्त हुए। वहीं उपभोक्ताओं को कुल 7265 सिलेंडरों का वितरण किया गया, जिसके पश्चात भी 4537 सिलेंडर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त जिले में 10,735 पीएनजी उपभोक्ता हैं, जिन्हें नियमित रूप से गैस की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन क्षेत्रों के निवासियों से, जहां पीएनजी सुविधा उपलब्ध है, अधिक से अधिक पीएनजी कनेक्शन लेने का आग्रह किया है। पीएनजी गैस, एलपीजी की तुलना में किफायती और सुविधाजनक विकल्प है।

अनावश्यक भंडारण से बचें लोग

नागरिकों से अपील है कि वे केवल आवश्यकता के अनुसार ही ईंधन व गैस की खरीद करें और अनावश्यक भंडारण से बचें। किसी भी प्रकार की जानकारी या शिकायत के लिए नागरिक 01746-224243 पर संपर्क कर सकते हैं। पेट्रोल, डीजल और गैस की कालाबाजारी, जमाखोरी तथा अनाधिकृत उपयोग को रोकने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पूंडरी में प्ले स्कूल रेडीनेस मेला बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी

हिन्दुस्तान एकता » पूंडरी

राजकीय कन्या प्राथमिक पाठशाला पूंडरी में प्ले स्कूल के अंतर्गत स्कूल रेडीनेस मेला का आयोजन किया गया। इस मेले का उद्देश्य छोटे बच्चों को स्कूल के माहौल से परिचित कराना और उन्हें औपचारिक शिक्षा के लिए तैयार करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अभिभावकों को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इस मौके पर स्थल सुपरवाइजर अंजू ने भी कार्यक्रम में भाग लेकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम में प्ले स्कूल स्टाफ सदस्य राजबाला, राजपति, बबीता और कमलेश सहित अन्य सहयोगी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर मेले को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सुविचार

"समझनी है जिंदगी तो पिछे देखो,
जीनी है जिंदगी तो आगे देखो"

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाला...

युद्धवीर सिंह
हरियाणा विधानसभा,
चंडीगढ़

हरियाणा के पंचकूला और चंडीगढ़ क्षेत्र में सामने आया आईडीएफसी फर्स्ट बैंक घोटाला आधुनिक बैंकिंग और सरकारी कार्य प्रणाली की कमियों को उजागर करने वाली एक गंभीर घटना है। लगभग 590 करोड़ रुपये (कुछ रिपोर्टों के अनुसार 597 करोड़ रुपये) का यह गबन केवल एक वित्तीय हेराफेरी नहीं, बल्कि एक सोची-समझी साजिश थी, जिसमें बैंक के पूर्व कर्मचारी, सरकारी अधिकारी और निजी कारोबारी शामिल थे। इस पूरे घटनाक्रम की शुरुआत तब हुई जब हरियाणा सरकार के कुछ विभागों ने अपने बैंक खातों के मिलान के दौरान बड़ी विसंगतियां पाईं। विशेष रूप से हरियाणा पंचायत विभाग और विकास एवं पंचायत विभाग की जमा राशियों में भारी अंतर देखा गया। जब मामले की गहराई से जांच शुरू हुई, तो पता चला कि जो पैसा सरकारी रिकॉर्ड में फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) के रूप में बैंक में सुरक्षित होना चाहिए था, वह वास्तव में निजी खातों और शेल कंपनियों में ट्रांसफर कर दिया गया था।

इस घोटाले का मुख्य केंद्र आईडीएफसी फर्स्ट बैंक की चंडीगढ़ स्थित सेक्टर-32 की शाखा थी। जांच एजेंसियों, विशेष रूप से हरियाणा एंटी-करप्शन ब्यूरो (ACB) और प्रवर्तन निदेशालय (ED) के अनुसार, इस पूरे खेल के मास्टरमाइंड बैंक के ही दो पूर्व कर्मचारी थे—ऋषभ ऋषि और अभय कुमार। ऋषभ ऋषि, जो इस शाखा का हेड था और अभय कुमार, जो रिलेशनशिप मैनेजर के पद पर तैनात था, ने अपनी बैंकिंग जानकारी और सिस्टम की खामियों का फायदा उठाकर इस करोड़ों के घोटाले की नींव रखी। इन दोनों ने बैंक छोड़ने से पहले और उसके बाद भी अपने संपर्कों का इस्तेमाल कर सरकारी खातों से पैसा निकाला।

धोखाधड़ी का तरीका बेहद शातिर था। सरकारी विभागों को लगता था कि उनका पैसा सुरक्षित रूप से फिक्स्ड डिपॉजिट में निवेश किया गया है, जबकि हकीकत में उन पैसों को 'स्वास्तिक देश प्रोजेक्ट' जैसी फर्जी कंपनियों के खातों में भेज दिया गया था। जांच में सामने आया कि 'स्वास्तिक देश प्रोजेक्ट' नाम की इस फर्म में अभय कुमार की पत्नी स्वाति सिंगला और उसके साले अभिषेक सिंगला की हिस्सेदारी थी। लगभग 300 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि सीधे तौर पर इसी एक फर्म के खाते में भेजी गई थी। इतना ही नहीं, जालसाजों ने बैंक के सिस्टम को धोखा देने के लिए जाली बैंक स्टेटमेंट और फर्जी रसीद तैयार कीं, ताकि सरकारी अधिकारियों को गुमराह किया जा सके कि उनका पैसा ब्याज समेत बैंक में जमा है।

जांच में एक और चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपियों ने हरियाणा सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के फर्जी हस्ताक्षरों का इस्तेमाल किया था। आईएएस अधिकारी डी.के. बेहरा, जो अपने पद से हट चुके थे, उनके जाली साइन के जरिए करोड़ों रुपये के चेक और डेबिट नोट प्रोसेस किए गए। एक उदाहरण में तो महज 25 रुपये के चेक की जगह 2.50 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया गया। यह बैंक के आंतरिक सुरक्षा ऑडिट की विफलता को भी दर्शाता है।

पैसे को सफेद करने के लिए 'लेयरिंग' की प्रक्रिया अपनाई गई। सरकारी खातों से निकला पैसा पहले शेल कंपनियों में गया और वहां से इसे चंडीगढ़ और पंचकूला के बड़े ज्वेलर्स, जैसे 'सावन ज्वेलर्स' के खातों में ट्रांसफर किया गया। जांच में पता चला कि सावन ज्वेलर्स के मालिक राजन कटोदिया के जरिए लगभग 250 करोड़ रुपये का लेन-देन हुआ। यह पैसा फर्जी बिलों के जरिए सोने की खरीद दिखाकर नकद में बदला गया। इसके अलावा, घोटाले की रकम का इस्तेमाल आलीशान संपत्तियां खरीदने और मर्सिडीज, टोयोटा फॉर्च्यूनर जैसी महंगी गाड़ियां खरीदने में किया गया।

(यह लेखक के निजी विचार है)

संपादकीय

समृद्ध गांव, मजबूत भारत

भारत की आत्मा गांवों में बसती है, और इन गांवों के समग्र विकास की जिम्मेदारी काफी हद तक पंचायतों पर निर्भर करती है। पंचायतें न केवल स्थानीय शासन की सबसे निचली इकाई हैं, बल्कि वे लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने का भी काम करती हैं। ग्रामीण विकास की योजनाओं को जमीनी स्तर पर लागू करने में पंचायतों की भूमिका बेहद अहम होती है।

पंचायतें गांव की जरूरतों को सबसे बेहतर तरीके से समझती हैं। चाहे सड़क, पानी, स्वच्छता, शिक्षा या स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दे हों—इनकी प्राथमिकता तय करने में पंचायतों की भागीदारी जरूरी होती है। सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं, जैसे मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन और ग्रामीण आवास योजना, तभी सफल हो सकती हैं जब पंचायतें सक्रिय रूप से उनका क्रियान्वयन करें। हालांकि, पंचायतों के सामने कई चुनौतियां भी हैं। संसाधनों की कमी, प्रशासनिक अनुभव का अभाव और कई बार राजनीतिक दबाव उनके कार्य में बाधा बनते हैं। कई पंचायत प्रतिनिधियों को योजनाओं की पूरी जानकारी नहीं होती, जिससे विकास कार्य प्रभावित होते हैं। ऐसे में जरूरी है कि पंचायत प्रतिनिधियों को समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाए और उन्हें प्रशासनिक सहयोग मिले।

महिला सरपंचों की बढ़ती भागीदारी ने पंचायत व्यवस्था को नई दिशा दी है। इससे न केवल महिलाओं को सशक्तिकरण का अवसर मिला है, बल्कि विकास कार्यों में संवेदनशीलता और पारदर्शिता भी बढ़ी है। महिलाओं के नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता जैसे मुद्दों पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है, जो ग्रामीण समाज के लिए सकारात्मक संकेत है।

पारदर्शिता और जवाबदेही भी पंचायतों की सफलता के लिए जरूरी तत्व हैं। यदि विकास कार्यों में ईमानदारी और जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए, तो भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सकता है और योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंचाया जा सकता है। इसके लिए सामाजिक अंकेक्षण (सोशल ऑडिट) और डिजिटल तकनीकों का उपयोग भी बढ़ाया जाना चाहिए।

अंततः, पंचायतें ग्रामीण विकास की धुरी हैं। यदि उन्हें पर्याप्त अधिकार, संसाधन और प्रशिक्षण मिले, तो वे गांवों की तस्वीर बदल सकती हैं। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि पंचायतों को सशक्त बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाएं, ताकि ' समृद्ध गांव, मजबूत भारत' का सपना साकार हो सके।

चैत्र मास

इन दिनों नदियां थोड़ी सिमट जाती हैं
पानी थोड़ा और धरती के नीचे चला जाता !
दोपहर आलस में डूबा रहता
हमने चैत्र मास को कुछ ऐसे देखा..
ताड़/खजूर के पेड़ों पर
मिट्टी के लटकते बर्तनों में
टपकते रस को देखा,
ताड़ी पीकर जवान-बूढों को
बेसुध होते देखा,
फिर कैसे कहे,
चैत्र तुम्हारे हिस्से कुछ नहीं आया... !
महुआ के मादक गंध से सराबोर
खेत पर
महुआ चुनती स्त्रियां,
किसी उत्सव की तैयारी में
मगन सी दिखती... !
आंगन,छत,बरामदे में
बड़ी,पापड़,चिप्स,अचार
सूखते दिखते,,,
गृहणियां सहेज लेती है
इन दिनों मसाले व अनाज
पूरे साल भर के लिए....
फिर कैसे कह दूं
चैत्र के हिस्से कुछ नहीं आया...
अप्रैल के महीने को
छुट्टियों के महीने के नाम से जाना पर,
जब चैत्र को जाना...
तो जाना सूखती नदियों को....
ताड़ी पीकर सो रहें कुछ आबादी को....
जाना कितनी मसक्कत करनी पड़ती है
स्त्रियों को...
चैत्र के हिस्से आया है,
पूरे साल भर की रखवाली करने का,
कि यह दिन सूखने का होता है...
कि चैत्र सारी ऊष्मा को सुखाकर
उन्हें सुरक्षित कर देता....
तो सुनो चैत्र ! !
तुम जैसे दिखते हो,
वैसे तो बिल्कुल नहीं हो.... ! ! !

-प्रतिभा श्रीवास्तव, भोपाल

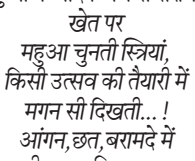

वक्त बदल जाता है...

सब संभल जाता है तू हौसला रख
वक्त चाहे कैसा भी हो बदल जाता है
पहुंचे गर शिखर पर तो
जरा ध्यान रखना
एक चूक से पांव फिसल जाता है गुजरे हुए वक्त को
भूलना ही बेहतर है
दिल पर पड़े बोझ को
उतारना ही बेहतर
मन न मिले तो कोई बात नहीं
दूरियां न बढ़ाना
हवा का रुख बदलते ही
बीज पनपने लगता हैं
साथ हो तो साथ में बैठो संग संग
हंसी मजाक करो घड़ी दो घड़ी
फिर पता नहीं कब कौन
कहां चला जाता है
वक्त कैसा भी हो बदल जाता है

-अर्चना तिवारी, वडोदरा, गुजरात

महिला सशक्तिकरण

महिलाओं पर शोषण का अंत उनके ज्ञान पर निर्भर करता है

डॉ. अभिनव, असिस्टेंट प्रोफेसर
जनसंचार एवं मीडिया प्रौद्योगिकी संस्थान,
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र

आप गुलाम भारत में महिलाओं पर रूढ़िवादी संस्कृति का इतिहास जान लिजिये, महज 8 वर्ष की आयु में विवाह, (बाल विवाह) एक से अधिक पत्नियां रखने की परपंरा, (बहु विवाह) पति की मृत्यु पर उनकी चिता पर जबरदस्ती आग में जलाना,(सत्ती प्रथा) शिक्षा से वंचित रखना,(मानसिक गुलाम बनाये रखना) शहर में सबसे सुंदर स्त्री को पुरूषों के लिए नगरवधुएं (वेश्या बनाना, वेश्यावृत्ति को बनाये रखना) घोषित करना, पिता, पति की संपति में मालिकाना हकों से महरूम रखना,(आर्थिक स्थिति कमजोर बनाये रखना एवं स्वालंबन बनने से रोकना) दूसरे की पत्नी को जबरदस्ती उठाकर ले जाना,(अपरहण करना) जबरदस्ती संभोग करना, पत्नी से पुत्र की प्राप्ति नहीं होने पर घर से निकालना या पुत्रमोह में अधिक बच्चों को जन्म दिलाना इस तरह का इतिहास आपको विभिन्न ग्रंथों में पढ़ने को मिलेगा इसलिए मुझे कोई ताज्जुब नहीं है और नाही कोई हैरानी है और नाही कोई आश्चर्य है कि भारत में हर घंटे में 75 (महिलाओं के साथ बलात्कार), छेड़खानी, फतबियों, होती है। इसके साथ-साथ महिलाओं के साथ जबरस्ती दोस्ती, उनका रास्ता रोकना, उन्हें मानसिक पडताड़ित करना, बलात्कार करने की धमकी देना, उनसे जबरदस्ती एकतरफा प्यार का नाटक करना और बाद में उन्हें सामूहिक इस्तेमाल कर जिंदा जलाना भी शामिल है। (सही पक्ष आगे लिखेगे) इस तरह का खेल महिलाओं के साथ 21वीं सदी के दूसरे दशक के खत्म होते दौर का खेल है।

ये सब आजाद भारत के 70 वर्षों के बाद महिलाओं के साथ खेला जा रहा है। मौजूदा वक्त में भारत में 80 प्रतिशत से ज्यादा पढ़े-लिखें पुरूषों की सारक्षता दर है। स्कूलों, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले अधिकतर विद्यार्थियों की शिक्षा ग्रहण के आचरण पता आप बसों में, रेलवे कोचों में, बाज़ारों में, पार्कों में, सिनेमाघरों के बाहर होने वाली भीड़ में, बुक फेयरों में महिलाओं के प्रति उनके आम व्यवहार से लगा सकते हैं। उनके इस आचरण को आप यूं समझ सकते है कि दूसरे की बहन,पत्नी हमारे लिए 'माल' पटाखा, आप जैसा समझ सकते है उसे समझे, ना कोई और है। सारक्षता की दर सरकारी आंकड़ों में 80 प्रतिशत से अधिक हो सकती है लेकिन शिक्षा को अपने आचरण में अपनाये जाने के आंकड़े हमें विकसित करने होगे ताकि वास्तव में पुरूषों की सारक्षता महिलाओं के सम्मान में दिखे।

एक लड़की का बलात्कार होता है उसे जिंदा भी जलाया जाता है फिर सड़क से संसद तक विरोध प्रदर्शन होता है, मोमबतियाँ जलाई जाती है, जुलूस निकला जाता है, अख़बारों में न्यूज़, स्टोरी, आलेख छपते हैं, न्यूज चैनलों में बहस होती हैं, और तो और अब सोशल मीडिया पर हर किसी के पेज पर हैसटैग लगाकर विरोध प्रदर्शन में शामिल होते जाने की निंदा करना अलग से होता है। कड़े कानून की फरियाद सरकार से की जाती है, एक सरकार पक्ष में होकर सरकार कड़ा कानून बनाती है वही दूसरी विपक्ष में होकर इस तरह की सामाजिक संगठनों (महिलाओं एवं पुरूषों के दोनों ही) की आवाज़ बनकर कड़े कानून बनाने के पक्ष में दिखाई देती है। इस माध्यम पर महिलाओं के पेजों पर अश्लील टिप्पणियाँ होती देखी जा सकती हैं। मैं यह कहना चाहता हूँ कि इस तरह का खेल मैं पिछले 10 वर्षों से अधिक से देखता, सुनता, पढ़ता, विरोध में भाग लेता आया हूँ और कहना चाहता हूँ कि महिलाओं के शोषण के संबंध में कुछ नहीं बदला है। समाज में महिलाओं को लेकर जो सोच बदलनी चाहिए थी वो अबतक भ्रामक आंकड़ों की तरह होती जा रही हैं। महिलाओं का शारीरिक, मानसिक, आर्थिक शोषण देश में वक्त के साथ होता आया है, इसके लिए स्वयं महिलाएं भी दोषी कही जा सकती है। जो बदला है वह जानकारी जो हमें अधिक से अधिक सोशल मीडिया के माध्यम से आमजन तक पहुँच रही है। जिनकी हम तक नहीं पहुंच पा रही है उनका क्या ? पहले जानकारियां इतने व्यापक स्तर पर आमजन तक नहीं पहुँच पाती थी। इसके पीछे भारत में भाषाओं की विविधताओं, धर्मों की विविधताओं का होना भी रहा है। सूचनाओं के व्यापक दौर ने सभी बंधनों को तोड़ दिया है जिसका कारण महिलाओं के संबंध में घटनाओं का व्यापक आंदोलन जन आंदोलन में परिवर्तित होते देर नहीं लगती है।

अब सवाल ये है इन जनआंदोलनों की लड़ाई कहाँ तक सफलता तब पहुँच पाती है ? राज्यों एवं केंद्र सरकार के महिला आयोग और विश्वविद्यालयों में चलने वाले महिला अध्ययन केंद्र, सामाजिक संगठनों के द्वारा व्यापक जागरूकता के बावजूद भी पुरुष अपनी मनमानी से बाज नहीं आता दिखाई दे रहा है। देश में अपराधों को रोकने के लिए कानून है क्या उनका अनुपालन हम कितने ढंग से करते है यह वाक्य में विचारने की बात है ? वर्तमान समय में कुछ महिलाओं का कुछ क्षेत्रों में नामचीन होना महिला सशक्तिकरण नहीं कहा जा सकता है। क्या महिलाओं ने अपना माकूल हक पुरूषों से आजतक मांगा है? जिस दिन मानव श्रम का हिसाब होगा उस दिन मनुष्य की सबसे बड़ी चोरी पकड़ी जायेगी क्योंकि उसने स्त्री को उसके अधिक से अधिक अधिकारों को वंचित किया। और सबसे बड़ी बात ये रही है और हो रही है कि वो उसे ही अपना सर्वेसर्वा समझ रही है। भारतीय स्त्री ने जो इतिहास में ज्ञान से अनभिज्ञ होकर अपनी दास्ता कबूली वही राष्ट्रपिता ज्योतिबा गोविंदराव फुले और सावित्री बाई फुले, फातिमा शेख, लार्ड मैकाले, महादेव गोविंद रानाडे, अछूतानंद, ईश्वरचंद विद्यासागर, मोहनदास कर्मचंद गांधी, डॉ. भीमराव आंबेडकर, के बदौलत आज आजादी की राह पर है।

(यह लेखक के निजी विचार है)

शिक्षक की बदलती भूमिका

21वीं सदी में प्रभावी शिक्षण के लिए मार्गदर्शक सुझाव

डॉ कल्पना बजाज, प्रधानाचार्या
जनता पब्लिक स्कूल, रक्षा अकादमी
और गुरुकुल अलाहर

आज का शैक्षिक परिवेश तेजी से बदल रहा है। 21वीं सदी में शिक्षक की भूमिका केवल पाठ्यक्रम को पूरा करने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि वह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का आधार बन गई है। आज का शिक्षक एक मार्गदर्शक, प्रेरक और सहयोगी के रूप में विद्यार्थियों के बौद्धिक, भावनात्मक और सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सबसे पहले, शिक्षकों को पारंपरिक रटने की पद्धति से आगे बढ़कर समझ, विश्लेषण और अनुप्रयोग आधारित अधिगम पर ध्यान देना चाहिए। जब विद्यार्थी किसी विषय को समझते हैं और उसे वास्तविक जीवन में लागू करना सीखते हैं, तभी शिक्षा सार्थक बनती है। इसके लिए दक्षता आधारित शिक्षण (Competency-Based Learning) को अपनाना आवश्यक है, जिससे सीखना अधिक प्रभावी और उद्देश्यपूर्ण हो सके।

डिजिटल युग में तकनीक का महत्व अत्यधिक बढ़ गया है। इसलिए शिक्षकों को डिजिटल उपकरणों का संतुलित और प्रभावी उपयोग करना चाहिए, ताकि शिक्षण को रोचक और सुलभ बनाया जा सके। साथ ही, स्वयं को अद्यतन रखने के लिए नियमित प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और नई शिक्षण विधियों से जुड़े रहना भी आवश्यक है।

21वीं सदी का शिक्षक केवल ज्ञान देने वाला नहीं, बल्कि विद्यार्थियों का मार्गदर्शक और प्रेरक होता है। उसे कक्षा में गतिविधि आधारित और परियोजना आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके साथ ही प्रत्येक विद्यार्थी की व्यक्तिगत क्षमता और सीखने की गति को ध्यान में रखते हुए शिक्षण रणनीति तैयार करना भी जरूरी है।

विशेष रूप से प्राथमिक स्तर पर मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता (FLN) को मजबूत करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि यही आगे की शिक्षा की नींव होती है। इसके अलावा, शिक्षकों को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक संतुलन के प्रति भी संवेदनशील रहना चाहिए। कक्षा का वातावरण ऐसा होना चाहिए, जहां विद्यार्थी निर्भय होकर अपने विचार व्यक्त कर सकें।

शिक्षा केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें मूल्य शिक्षा और संस्कारों का भी समावेश होना चाहिए। शिक्षकों को चाहिए कि वे विद्यार्थियों में नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों का विकास करें। अभिभावकों के साथ नियमित संवाद स्थापित करना भी विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए आवश्यक है।

मूल्यांकन प्रणाली में भी परिवर्तन की आवश्यकता है। इसे केवल परीक्षा तक सीमित न रखकर निरंतर और समग्र मूल्यांकन (CCE) के रूप में अपनाना चाहिए, जिससे विद्यार्थियों की वास्तविक प्रगति का आकलन किया जा सके। साथ ही विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और टीमवर्क विकसित करने के अवसर भी प्रदान किए जाने चाहिए।

अंततः, 21वीं सदी का शिक्षक समाज के भविष्य का निर्माता है। यदि वह इन आधुनिक शिक्षण दृष्टिकोणों को अपनाता है, तो वह न केवल अपनी भूमिका को अधिक प्रभावशाली बना सकता है, बल्कि एक सक्षम, जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

(ये लेखिका के निजी विचार है)

चेहरा धोने के सही नियम, सलाह और सावधानियां...

शहनाज़ हुसैन
अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य
विशेषज्ञ और हर्बल क्वीन

चेहरा धोना बेसिक स्किन केयर रूटीन का सबसे आसान और जरूरी हिस्सा है। सही तरीके से चेहरा धोने से त्वचा ताजा, साफ़ और स्वस्थ दिखती है। लेकिन लगभग 80% लोग चेहरा धोने में गलतियां करते हैं, जिससे त्वचा नीरस, डल और बेजान दिखती है। इन गलतियों के कारण त्वचा को फायदा होने की बजाय नुकसान पहुंचता है। आइए जानें चेहरे को धोने के सही नियम और सावधानियाँ।

1 **हाथ साफ करके ही चेहरा धोएं...** चेहरा धोने से पहले अपने हाथों को साबुन से अच्छे से धो लें। हमारे हाथ लगातार बैक्टीरिया, तेल और गंदगी के संपर्क में रहते हैं। गंदे हाथों से चेहरा धोने पर ये गंदगी चेहरे पर फैल सकती है, जिससे रोम छिद्र बंद हो जाते हैं और कील-मुंहासे निकल आते हैं।

2 **गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें, चेहरा कभी गर्म या बहुत ठंडे पानी से न धोएं...**
- **गर्म पानी** त्वचा की प्राकृतिक नमी को खत्म कर देता है, जिससे त्वचा ज्यादा तेल स्त्रावित करने लगती है और कील-मुहांसे बढ़ सकते हैं।
- **ठंडा पानी** रोमछिद्र सिकोड़ देता है और चेहरे को पूरी तरह साफ नहीं कर पाता।

इसलिए चेहरा धोने के लिए हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और हल्के थपथपाकर सुखाएँ।

3 **फेस वॉश का सही उपयोग...** चेहरा धोते समय ज्यादा फेस वॉश का इस्तेमाल त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है।
- मटर के दाने के बराबर फेस वॉश पर्याप्त होता है।
- इसे हथेलियों पर रगड़कर झाग बनाएं और गीले चेहरे पर गोलाकार गति में लगाएँ।
- जोर-जोर से रगड़ने से त्वचा में घाव हो सकते हैं।
- स्किन टाइप के अनुसार फेस वॉश चुनें: रूखी त्वचा के लिए क्रीम बेस्ड, संवेदनशील त्वचा के लिए माइल्ड क्लेंज़र।

4 **चेहरा दिन में दो बार धोएं...** सुबह चेहरा धोने से रात की गंदगी और तेल निकल जाता है।
- शाम चेहरा धोने से दिन भर की धूल-मिट्टी और प्रदूषण हट जाता है।
- बार-बार चेहरा धोना त्वचा को नुकसान पहुंचा सकता है क्योंकि इससे प्राकृतिक तेल और नमी गायब हो जाती है।

5 **चेहरा धोते समय समय दें...** चेहरा धोने में कम से कम 1 मिनट लगाएँ ताकि सारी मैल और गंदगी निकल जाए। स्किन टाइप के अनुसार इसे 2–3 मिनट तक भी किया जा सकता है।

6 **चेहरा सुखाना भी जरूरी है...** मुलायम, सूती और साफ तौलिये का इस्तेमाल करें।
- गंदे तौलिये पर बैक्टीरिया हो सकते हैं जो रोम छिद्र बंद कर सकते हैं और मुहांसे पैदा कर सकते हैं।
- तौलिये से हल्के थपथपाकर सुखाएँ, रगड़ने से बचें।
- फेस वाइप्स का इस्तेमाल भी किया जा सकता है, लेकिन नियमित उपयोग से बचें क्योंकि इनमें प्रिज़र्वेटिव होते हैं जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

चेहरा धोना केवल एक रूटीन नहीं, बल्कि त्वचा की सेहत और सुंदरता बनाए रखने का महत्वपूर्ण तरीका है। सही तरीके और सावधानियां अपनाकर आप त्वचा को स्वस्थ, मुलायम और आकर्षक बना सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

उदास अमेरिकी सैनिक लीक कर रहे ईरान युद्ध की खुफिया जानकारी

नई दिल्ली » ईरान युद्ध के जल्द समाप्त होने की आशंका नहीं हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 28 फरवरी से शुरू हुए इस युद्ध पर पहली बार राष्ट्र के नाम संबोधन किया। इसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका अपना लक्ष्य पूरा करने के करीब है, साथ ही ट्रंप ने यह भी इशारा किया कि अमेरिका अगले 2-3 हफ्तों में ईरान के ऊपर ताबड़तोड़ हमले कर सकता है। अब यह हमला कैसा होगा? जमीनी आक्रमण होगा या एयरस्ट्राइक जारी रहेगी? जो भी हो, ट्रंप ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं, लेकिन इसी बीच अमेरिकी जवानों को लेकर एक सनसनीखेज खुलासा सामने आया है।

इराक में अमेरिकी पत्रकार का अपहरण, दिन-दहाड़े उठा ले गए किडनैपर्स

नई दिल्ली » मिडिल ईस्ट में जारी जंग और तनाव के बीच मंगलवार, 31 मार्च को इराक की राजधानी बगदाद में एक अमेरिकी महिला पत्रकार का अपहरण कर लिया गया। अपहृत पत्रकार की पहचान शेली किटल्सन के रूप में हुई है, जो लंबे समय से पश्चिम एशिया के विभिन्न इलाकों से स्वतंत्र रूप से रिपोर्टिंग कर रही थीं। दिन-दहाडे. हुई इस घटना के बाद इराकी सुरक्षा एजेंसियां हरकत में आ गई हैं और आरोपियों की तलाश में व्यापक अभियान चला रही हैं। इराक के गृह मंत्रालय ने अपने आधिकारिक बयान में एक विदेशी पत्रकार के अपहरण की बात कही।

दिखाई ताकत... अमेरिका तक तबाही मचाने वाले घातक मिसाइल इंजन का टेस्ट

नई दिल्ली » उत्तर कोरिया के लीडर किम जोंग उन ने एक बेहद पावरफुल सॉलिड-फ्यूल इंजन का टेस्ट अपनी आंखों के सामने करवाया है। सरकारी मीडिया 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' (KCNA) की संडे की रिपोर्ट के मुताबिक, यह इंजन उन मिसाइलों के लिए तैयार किया गया है जो सीधे अमेरिका की धरती को निशाना बना सकती हैं। किम जोंग उन ने इसे देश की सैन्य ताकत बढ़ाने वाला एक बड़ा कदम बताया है।

ईरान बोला- हम 6 महीने और जंग को तैयार ट्रंप ने दिए मिडिल ईस्ट से निकलने के संकेत

एजेंसी » नई दिल्ली

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक इंटरव्यू में साफ कर दिया है कि उनका देश अमेरिका और इजरायल के साथ कम से कम 6 महीने और जंग लड़ने के लिए पूरी तरह तैयार है। अराघची ने कहा कि ईरान के पास हथियारों और जरूरी सामान का पूरा स्टॉक है और वे अपनी रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाएंगे। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि मिडिल ईस्ट की (मिडिल ईस्ट (मध्य पूर्व) दक्षिण-पश्चिम एशिया और उत्तर-पूर्वी अफ्रीका में फैला एक विशाल इंटरकॉन्टिनेंटल क्षेत्र है, जिसमें मुख्य रूप से सऊदी अरब, ईरान, इराक, तुर्की, इजरायल, मिस्र (इजिप्ट) और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देश शामिल हैं) यह लड़ाई अगले 2 से 3 हफ्तों में खत्म हो सकती है।

ईरान ने उन खबरों को गलत बताया है जिनमें कहा जा रहा था कि उसने अमेरिका की शर्तें मान ली हैं। अराघची के मुताबिक, ईरान ने अमेरिका के 15-पॉइंट वाले प्लान पर कोई जवाब नहीं दिया है और न ही अपनी तरफ से कोई 5 शर्तें रखी हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ भरोसे का लेवल अभी 'जीरो' है। ईरान का मानना है कि अमेरिका समझौते की आड़ में सैन्य कार्रवाई करता है, जैसा उसने 2015 की न्यूक्लियर डील के वक्त किया था।

>दुनिया पर पड़ रहा असर... यह पूरी लड़ाई अमेरिका और इजरायल के हवाई हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने के बाद शुरू हुई। इसके बाद ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिकी और इजरायली ठिकानों पर हमले किए। इस तनाव की वजह से दुनिया भर में तेल की कीमतें बढ़ गई हैं। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, जहां से दुनिया का 20% तेल गुजरता है। अमेरिका में पेट्रोल के दाम 4 डॉलर प्रति गैलन के पार पहुंच गए हैं और यूरोप में भी महंगाई बढ़ गई है।

>अराघची का दावा: अमेरिकी दूत से मैसेज मिल रहे हैं... अब्बास अराघची ने खुलासा किया कि उन्हें अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से सीधे मैसेज मिल रहे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दोनों देशों के बीच कोई आधिकारिक बातचीत चल रही है। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि ईरान समझौते के लिए 'भीख' मांग रहा है, लेकिन ईरान का कहना है कि वे केवल आधिकारिक चैनलों या दोस्त देशों के जरिए ही अपनी बात रख रहे हैं। व्हाइट हाउस ने संकेत दिया है कि राष्ट्रपति ट्रंप जल्द ही ईरान पर देश को संबोधित कर सकते हैं।

ईरान की बड़ी शर्तें...

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने एएफपी रिपोर्ट के अनुसार यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा से कहा कि वे जंग खत्म करना चाहते हैं, लेकिन इसके लिए ठोस गारंटी चाहिए. ईरान सिर्फ युद्धविराम (सीजफायर) नहीं चाहता, बल्कि वह चाहता है कि पूरे क्षेत्र (लेबनान, इराक और यमन) में जंग पूरी तरह खत्म हो. साथ ही, ईरान ने जंग में हुए नुकसान के मुआवजे की मांग भी की है।

मार्को रूबियो का खुलासा
ईरान बनने वाला था अगला उत्तर कोरिया

नई दिल्ली » रूबियो के अनुसार, ईरान के कट्टरपंथी शिया नेता ऐसी मिसाइलें बनाना चाहते थे जो सीधे अमेरिका की मुख्य धरती तक हमला कर सकें। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत सैन्य कार्रवाई नहीं करते, तो ईरान अपने इस मकसद में कामयाब हो जाता।

मार्को रूबियो ने फॉक्स न्यूज से बातचीत में नाटो के साथ अमेरिकी संबंधों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब अमेरिका को अपने सैन्य बेस इस्तेमाल करने की जरूरत होती है, तो कई यूरोपीय देश मना कर देते हैं। रूबियो ने कहा कि इस युद्ध के खत्म होने के बाद अमेरिका को नाटो गठबंधन में रहने की वैल्यू पर दोबारा सोचना होगा।

ट्रंप का बड़ा ऐलान
ईरान से जल्द लौटेंगे अमेरिकी सैनिक, लेकिन 'स्पॉट हिट' का विकल्प खुला रहेगा

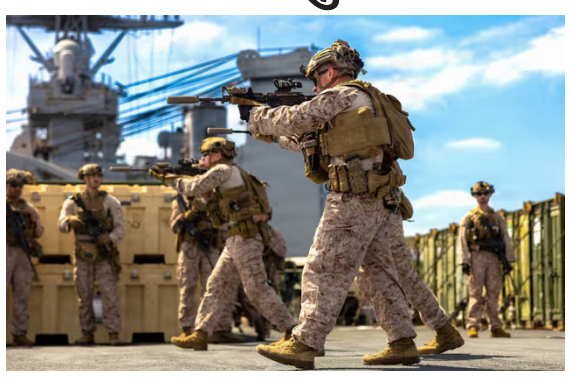

एजेंसी » नई दिल्ली

रॉयटर्स और कई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों ने खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सेना की परेशानी बढ़ा दी है. हालत यह है कि अमेरिका को अपने कई बेस खाली करने पड़े हैं। अब अमेरिकी सैनिक और सपोर्ट स्टाफ बड़े बेस छोड़कर होटलों, ऑफिस बिल्डिंग्स और अस्थायी ठिकानों से काम करने को मजबूर हैं। तेहरान का दावा है कि उसने अमेरिकी बेस को रहने लायक नहीं छोड़ा है, जिससे वाशिंगटन का पूरा मिलिट्री ढांचा गड़बड़ा गया है।

> पुराने मिलिट्री बेस अब अमेरिका के लिए बने सिरदर्द... दशकों से अमेरिका ने कतर, बहरीन, कुवैत, सऊदी अरब और यूएई में बड़े और हाई-टेक बेस बना रखे थे। सैन्य जानकारों का कहना है कि इन ठिकानों की लोकेशन सबको पता है, इसलिए ये ईरान के बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के लिए आसान टारगेट बन गए हैं। ईरान का मकसद इन बेस को पूरी तरह तबाह करना नहीं, बल्कि इन्हें इतना नुकसान पहुँचाना है कि यहाँ से ऑपरेशन चलाना महंगा और मुश्किल हो जाए। रनवे, रडार और फ्यूल सिस्टम पर बार-बार होने वाले हमलों से सेना की तैयारी पर बुरा असर पड़ रहा है।

>एक जगह रहने के बजाय टुकड़ियों में बंटी सेना... ताजा रिपोर्ट्स बताती हैं कि अमेरिका अब 'डिस्पर्स्ड ऑपरेशंस' यानी बिखराव वाली रणनीति अपना रहा है। इसमें फौज और हथियारों को एक बड़े बेस पर रखने के बजाय कई अलग-अलग जगहों पर फैला दिया गया है। इससे दुश्मन के लिए निशाना लगाना मुश्किल हो जाता है, लेकिन होटलों या कामचलाऊ जगहों से युद्ध जैसे हालात संभालना काफी चुनौतीपूर्ण है। इससे लॉजिस्टिक्स और सुरक्षा का तालमेल बैठाने में दिक्कत आ रही है।

> सस्ता ड्रोन और महंगा डिफेंस: ईरान का 'लो कॉस्ट' वॉर प्लान इस संघर्ष में पैसे का गणित भी अहम है। ईरान सस्ते ड्रोन और मिसाइलों से हमला करता है, जबकि अमेरिका को उन्हें रोकने के लिए 'पैट्रियट' या 'थाड' जैसे करोड़ों रुपये के महंगे डिफेंस सिस्टम इस्तेमाल करने पड़ते हैं।

ट्रंप बोले- ईरान का न्यूक्लियर सपनी खत्म

बुधवार (31 मार्च) को रॉयटर्स से बातचीत में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया कि अमेरिका अब ईरान से बहुत जल्दी बाहर निकल जाएगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का मुख्य लक्ष्य ईरान को न्यूक्लियर हथियार बनाने से रोकना था, जो अब पूरा हो चुका है क्योंकि ईरान अब ऐसा करने के लायक नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि मैं जाऊंगा और सबको साथ ले जाऊंगा, लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो हम 'स्पॉट हिट' (जरूरत के हिसाब से सटीक हमले) के लिए वापस आ सकते हैं।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

पीएसएल बॉल टैम्परिंग के बाद फखर जमान पर एक और आरोप

नई दिल्ली » लाहौर कलंदर्स के बल्लेबाज फखर जमान को बॉल टैम्परिंग का दोषी मानते हुए दो मैचों के लिए बैन बर दिया गया है। पाकिस्तान सुपर लीग में जमान ने गेंद के साथ छेड़छाड़ की थी। इसे लेवल III का अपराध माना जाता है और इसमें कम से कम एक मैच का प्रतिबंध है। यह घटना रविवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में कराची किंग्स के खिलाफ कलंदर्स की करीबी हार के अंतिम ओवर के दौरान हुई। पीसीबी के इस एक्शन के बाद जमान पर टी20 वर्ल्ड कप के दौरान भी गेंद से छेड़खानी का आरोप लग रहा है।

रियान पराग ने खोला राज, 15 साल के वैभव ने 15 गेंद में जड़ी फिफ्टी

नई दिल्ली » राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 में अपनी पहली जीत दर्ज कर ली है। टीम ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। इस जीत के हीरो 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे। राजस्थान के कप्तान रियान पराग ने मैच के बाद वैभव की जमकर तारीफ की। कप्तान ने साफ किया कि युवा प्लेयर को टीम में खुलकर खेलने की पूरी आजादी दी गई है। चेन्नई के खिलाफ वैभव ने कमाल की बैटिंग की। उन्होंने सिर्फ 15 गेंद पर अपना अर्धशतक पूरा कर लिया। अपनी पारी में इस ओपनर ने कुल 17 गेंद खेली और 52 रन बनाए।

केकेआर Vs एसआरएच
अभिषेक शर्मा के कैच पर विवाद अंपायर के फैसले से नाराज बैटर

हिन्दुस्तान एकता » नई दिल्ली

आईपीएल 2026 के छठे मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच हुए मुकाबले में अभिषेक शर्मा का आउट होना काफी विवादित साबित हुआ। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को बाउंड्री के पास वरुण चक्रवर्ती ने शानदार कैच लपककर पवेलियन भेज दिया। हालांकि, रिप्ले से पता चलता है कि कैच वैध नहीं लग रहा था, फिर भी तीसरे अंपायर ने रिप्ले के कुछ कोणों पर विचार करने के बाद अभिषेक को आउट करार दिया। अभिषेक अनमने ढंग से मैदान से बाहर की ओर जाते दिख। वह अंपायर के फैसले से खुश नजर नहीं आ रहे थे।

>विवादित फैसले का यह दूसरा मामला... आईपीएल 2026 में यह दूसरा मौका है जब एसआरएच के बल्लेबाज विवादित फैसले के शामिल हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ एसआरएच के आईपीएल 2026 के पहले मैच में, हेनरिक क्लासेन ने एक छोटी गेंद को मिडविकेट की ओर पुल किया और फिल साल्ट ने उसे कैच कर लिया। हालांकि, मामला इतना आसान नहीं था। कैच क्लीन नहीं लग रहा था। साल्ट गेंद के नीचे आराम से पहुंचने के बावजूद गिर गए। रिप्ले में दिखा कि साल्ट का पैर बाउंड्री कुशन के पास था।

> हेनरिक क्लासेन को दिया गया था आउट... तीसरे अंपायर रोहन पंडित ने कई बार जांच की, लेकिन किसी कारणवश उन्होंने पीछे की तरफ जूम नहीं किया या दूसरा एंगल नहीं मांगा। एक पल के लिए भी साल्ट के पैर की परछाई नहीं दिखी, जिससे पता चलता है कि उन्होंने बाउंड्री कुशन को छुआ था। इन दो विवादित फैसलों के बाद, यह बात समझ से परे है कि तीसरे अंपायर फैसला कैसे लेते हैं, खासकर तब जब फैसलों की समीक्षा, कई कैमरा एंगल और अन्य सुविधाओं पर इतना पैसा खर्च किया जाता है।

क्या सच में आउट थे अभिषेक शर्मा

यह घटना पारी के नौवें ओवर में घटी जब अभिषेक ने पुल शॉट खेलने की कोशिश की लेकिन बाउंड्री रोप के पास वरुण चक्रवर्ती ने उनका कैच पकड़ लिया। हालांकि, रिप्ले में दिखा कि केकेआर के फील्डर द्वारा कैच लेने से पहले गेंद शायद उछली थी, लेकिन तीसरे अंपायर ने रिप्ले के एक दूसरे एंगल को देखकर अभिषेक को आउट करार दिया। इस तरह, केकेआर में रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल हुए ब्लेसिंग मुजरबानी ने एक ही ओवर में अपना दूसरा विकेट लिया। अभिषेक ने 21 गेंदों में 48 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 228 से अधिक रहा।

पिता के विवादित बयानों को लेकर युवराज ने महेंद्र सिंह धोनी और कपिल से मांगी माफी

हिन्दुस्तान एकता » चंडीगढ़

भारत के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने अपने पिता योगराज सिंह द्वारा पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव पर समय-समय पर की गई टिप्पणियों पर माफी मांगी है। यह पहली बार है जब युवराज सिंह ने अपने पिता के बयानों पर खुलकर बात की है। युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह लंबे समय से धोनी पर यह आरोप लगाते रहे हैं कि उन्होंने युवराज को टीम से बाहर कर दिया था। योगराज ने अपने करियर के समय कपिल देव की भूमिका को लेकर भी काफी बयानबाजी की है। हालांकि युवराज ने इन मामलों पर कभी कोई टिप्पणी नहीं की।

एक इंटरव्यू में युवराज सिंह यह कहते दिख रहे हैं कि मैं कपिल देव और एमएस धोनी से माफी मांगना चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने डैड (योगराज) से कहा था कि यह बयानबाजी ठीक नहीं हैं। इस पॉडकास्ट में युवराज सिंह विराट कोहली, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत से क्रिकेट के मुद्दों पर चर्चा भी करते नजर आएंगे। युवराज के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ही भारत ने 2007 में टी-20 विश्व कप और 2011 में वनडे विश्व अपने नाम किया था। हर क्रिकेटर को बचपन से ही खेलना चाहिए।

विश्व कप विजेता पूर्व भारतीय हरफनमौला युवराज सिंह ने गुरुवार को कहा कि क्रिकेटरों को अपने मुख्य पेशे के तनाव से निपटने के लिए कम उम्र से ही गोल्फ खेलना शुरू कर देना चाहिए। युवराज क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद शौकिया तौर पर गोल्फ खेलते हैं।

मैं सिर्फ पानी पिलाने वाला: टीम में वापसी पर शमी का छलका दर्द

नई दिल्ली » मोहम्मद शमी लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं। 2025 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद उन्होंने भारत के लिए कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेला है। 35 साल के इस तेज गेंदबाज ने एक इंटरव्यू में अपने करियर पर खुलकर अपनी बात रखी है। शमी ने सीधे तौर पर कहा कि उनके अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। यह बात पूरी तरह सच है।

मिक इंटरनेशनल फुटबॉल

मिनर्वा अकादमी ने जूनियर क्लब वर्ल्ड कप अभियान की धमाकेदार शुरुआत

अमेरिका की टीम को 4-1 से हराया

हिन्दुस्तान एकता » चंडीगढ़

भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए युवा फुटबॉल के सबसे बड़े मंचों में से एक पर मिनर्वा अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने पहले मुकाबले में अमेरिका की बोका ऑरेंज क्लब को 4-1 से करारी शिकस्त दी। शारीरिक रूप से मजबूत और अनुशासित अमेरिकी टीम के खिलाफ मिनर्वा ने शुरुआत से ही संयम, रणनीतिक समझ और आक्रामक खेल का शानदार नमूना पेश किया। 4-3-3 फॉर्मेशन में खेलते हुए मिनर्वा ने हाई-प्रेसिंग रणनीति अपनाई, जबकि अमेरिकी टीम 4-4-2 की कॉम्पैक्ट संरचना में उतरी। शुरुआती मिनटों में मुकाबला तेज रहा और अमेरिकी टीम काउंटर अटैक से खतरा बनाने की कोशिश करती दिखी, लेकिन जल्द ही मिनर्वा ने खेल की गति पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। 15वें मिनट में चेतन तिवारी ने शानदार गोल कर मिनर्वा को बढ़त दिलाई और यहीं से मैच का रुख तय हो गया। इसके ठीक चार मिनट बाद, 19वें मिनट में कोंथौजम चेतन ने शानदार फिनिश के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया और स्कोर 2-0 कर दिया। इस समय तक मिनर्वा का खेल पर पूरी तरह दबदबा बन चुका था। अमेरिकी टीम ने वापसी की कोशिश की, लेकिन मिनर्वा की मजबूत डिफेंस के सामने वे ज्यादा सफल नहीं हो सके और हाफटाइम तक स्कोर 2-0 रहा।

दूसरे हाफ में अमेरिकी टीम ने एक गोल कर मुकाबले को 2-1 तक पहुंचाया, लेकिन मिनर्वा ने तुरंत जवाब देते हुए अपनी श्रेष्ठता साबित की। 35वें मिनट में कोंथौजम चेतन ने अपना दूसरा गोल करते हुए टीम को फिर से दो गोल की बढ़त दिला दी और अमेरिकी टीम की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया। 46वें मिनट में आजम खान ने सटीक फिनिश के साथ चौथा गोल दागकर 4-1 की बड़ी जीत पक्की कर दी। मिनर्वा अकादमी का यह प्रदर्शन उच्च तीव्रता, बेहतरीन रणनीति और अंतिम तिहाई में सटीकता का शानदार उदाहरण रहा। खेल के हर पहलू में टीम की तैयारी और आत्मविश्वास साफ नजर आया। चेतन तिवारी (15'), कोंथौजम चेतन (19', 35') और आजम खान (46') के गोलों की बदौलत मिनर्वा अकादमी के "वॉरियर्स" ने अपने अभियान की शानदार शुरुआत की है।

एक मजबूत अमेरिकी टीम के खिलाफ यह जीत सिर्फ जीत नहीं, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की मजबूत मौजूदगी का बड़ा संदेश है।

नया प्रोजेक्ट

क्या वापस क्वीन बनने को तैयार कंगना

क्वीन 2 की शूटिंग इसी अप्रैल से शुरू; हॉलीवुड में भी डेब्यू कर सकती हैं...

कंगना रनौत क्वीन 2 से रानी के किरदार में वापसी कर सकती हैं। कहा जा रहा है कि एक्ट्रेस इसी साल अप्रैल के लास्ट से फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगी।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से लिखा गया- इस बार रानी का किरदार स्मार्ट, मजबूत और अनोखा होगा। लेकिन कहानी एक ऐसे मोड़ पर आएगी, जो उसे खुद को समझने के सफर पर ले जाएगी। इसमें दिखाया जाएगा कि वह अपनी अलग पहचान, आत्म-समझ और हिम्मत के दम पर जिंदगी की मुश्किलों को कैसे पार करती है।

पहले पार्ट में रानी पेरिस और एम्स्टर्डम गई थी, लेकिन खबर है कि दूसरे पार्ट में वह भारत के अलग-अलग शहरों को एक्सप्लोर करेगी।

» **मुंबई के एक स्टूडियो से शूटिंग शुरू होगी...** सूत्रों ने यह भी बताया कि शूटिंग मुंबई एक स्टूडियो में शुरू होगी। मुंबई में शूटिंग पूरी होने के बाद दूसरे मेट्रो शहर में सीन्स फिल्माए जाएंगे। मेकर्स तीन महीने में शूट पूरा करना चाहते हैं।

» **कंगना की आखिरी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर पिटी...** कंगना को आखिरी बार 2025 की फिल्म इमरजेंसी में देखा गया था। ये एक पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म थी, जिसे कंगना ने ही डायरेक्ट और को-प्रोड्यूस किया था। वो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के किरदार में थीं। इसमें अनुपम खेर, श्रेयस तलपड़े और मिलिंद सोमन का भी मेजर रोल था। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई थी। 60 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 21.75 करोड़ की कमाई की थी। क्वीन 2 के अलावा कंगना को 'भारत भाग्य विधाता' में भी देखा जाएगा। इसे उन्हीं के प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट 2024 में की गई थी। उस समय बताया गया था कि कंगना ही फिल्म में लीड रोल निभाएंगी।

» **हॉलीवुड में डेब्यू के लिए कंगना तैयार...** रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंगना जल्द ही हॉलीवुड में डेब्यू करने वाली हैं। वो हॉरर ड्रामा फिल्म ब्लेस्ड बी द एविल में नजर आएंगी। इसे अनुराग रूद्र डायरेक्ट कर रहे हैं। कंगना के अलावा इसमें टायलर पीसी और स्कारलेट रोज स्टैलोन भी नजर आएंगी।

धुरंधर के दोनों पार्ट को साथ रिलीज करने की तैयारी...

दावा- फिल्म का 7.5 घंटे का लंबा डायरेक्टर कट 5 अप्रैल को आएगा

फिल्म धुरंधर और धुरंधर 2 को एक साथ रिलीज करने की खबरें सामने आ रही हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म का एक 7.5 घंटे लंबा डायरेक्टर कट तैयार किया गया है, जो 5 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकता है। हालांकि, मेकर्स की तरफ से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, धुरंधर का एक्सटेंडेड वर्जन, जिसमें 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' दोनों को मिलाकर बनाया गया है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट भी वायरल हो रहा है। दावा किया जा रहा है कि यह CBFC द्वारा फिल्म को दिया गया सर्टिफिकेट है।

» **कुछ थिएटर में 2 शो दिखाने का प्लान...** रिपोर्ट्स के मुताबिक- फिल्म के इस डायरेक्टर कट को MAX और Dolby Cinema जैसे प्रीमियम फॉर्मेट में दिखाया जा सकता है। कुछ ही सिनेमाघरों में इसे वीकेंड पर 2 शो में दिखाने की प्लानिंग है।

» **इस फिल्म में 3 इंटरवल होंगे...** यह भी बताया गया कि पहले फिल्म को एक ही पार्ट में रिलीज करने का प्लान था। लेकिन फिल्म लंबी हो जाने पर मेकर्स ने इसे दो पार्ट में रिलीज किया। अब डायरेक्टर कट में दोनों पार्ट को जोड़कर दिखाया जाएगा। इसमें 3 इंटरवल होंगे। बता दें, फिल्म धुरंधर पिछले साल 5 दिसंबर को रिलीज हुई थी। यह बॉक्स ऑफिस पर हिट थी। इसने वर्ल्डवाइड करीब 1300 करोड़ कमाई की थी। वहीं, दूसरा पार्ट घुरंधर 2 इसी साल 19 मार्च को रिलीज हुआ। यह भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म कर रही है। दोनों पार्ट में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी लीड रोल में दिखे। पहले पार्ट में अक्षय खन्ना भी मेजर रोल में थे। हालांकि, दूसरे पार्ट में बस उनकी झलक देखने को मिली। दोनों पार्ट को आदित्य धर ने डायरेक्ट किया है। कहानी भी उन्होंने ही लिखी है।

प्रियंका ने 'धुरंधर 2' की तारीफ कीः रणवीर के लिए लिखा- बधाई हो मेरे दोस्त

प्रियंका चोपड़ा ने फिल्म धुरंधर 2 और आदित्य धर की तारीफ की है। वहीं, रणवीर सिंह को दोस्त कहा है और इस फिल्म के लिए बधाई भी दी है। प्रियंका ने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरी सेक्शन पर फिल्म का पोस्टर शेयर किया। रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, अक्षय खन्ना, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी को टैग कर लिखा- बधाई हो मेरे दोस्तों। फिर प्रियंका ने आदित्य धर की तारीफ में लिखा- आप एक मकसद के साथ काम करने वाले इंसान हैं। धुरंधर हर मायने में एक शानदार अनुभव है। इसके लिए आप सभी को धन्यवाद। इसी कड़ी में राम गोपाल वर्मा, S.S राजामौली, रजनीकांत, विक्रांत मैसी, करण जौहर, अल्लू अर्जुन, जूनियर NTR और राम चरण भी धुरंधर 2 की तारीफ कर चुके हैं।

राजामौली की फिल्म में दिखेंगी

प्रियंका चोपड़ा जल्द ही राजामौली की फिल्म वाराणसी में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह साउथ एक्टर महेश बाबू के साथ काम करेंगी। वाराणसी उनकी तेलुगु डेब्यू भी होगी। फिल्म 7 अप्रैल 2027 को रिलीज होगी, जिसमें प्रियंका 'मंदाकिनी' का किरदार निभाएंगी। इसके अलावा, प्रियंका वेब सीरीज सिटाडेल के दूसरे सीजन में भी दिखाई देंगी। इसके अलावा हाल ही में उन्हें फिल्म द ब्लफ में देखा गया है।

'भूत बंगला' की रिलीज डेट बदली

अक्षय कुमार ने अपनाई 'धुरंधर 2' वाली स्ट्रेटेजी

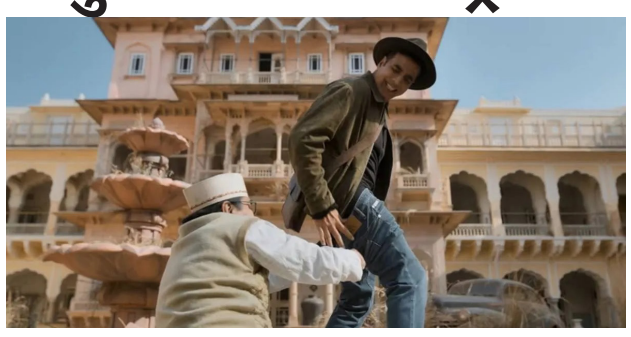

बहुप्रतीक्षित हॉरर कॉमेडी 'भूत बंगला' अब अपनी रिलीज के बेहद करीब है। उम्मीद है कि यह फिल्म दर्शकों की उम्मीदों से भी बढ़कर होगी। बढ़ते एक्साइटमेंट के साथ, यह फिल्म मनोरंजन का एक ऐसा पैकेज लाने का वादा करती है जो पहले कभी नहीं देखा गया। 'भूत बंगला' को लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है। इसके दिलचस्प टीजर और चार्ट-बस्टर गानों ने पहले ही धूम मचा दी है, जिससे दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर काफी उत्सुकता है। यह फिल्म एक मजेदार फैमिली एंटरटेनर के रूप में अपनी जगह बना चुकी है जिसका लोग बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन अब फिल्म की रिलीज में देरी हो रही है। जहां हर कोई इस फिल्म की राह देख रहा है, वहीं मेकर्स ने रिलीज डेट बदल दी है।

ट्रेड एनालिस्ट का मानना है कि 'धुरंधर 2' की कमाई और उसके लिए क्रेज को देखते हुए फिल्म की रिलीज डेट बदली गई है। पहले फिल्म 10 अप्रैल को रिलीज होनी थी, लेकिन अब पेड प्रिव्यू 16 अप्रैल 2026 की रात 9 बजे से शुरू होने जा रहा है। फिल्म की रिलीज में 6 दिन देरी की गई है। इसको लेकर मेकर्स ने अपडेट साझा किया है। इतना ही नहीं मेकर्स ने 'धुरंधर 2' की तरह ही पेड प्रिव्यू स्ट्रेटेजी अपनाई है।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2'

मिहिर के उड़े होश, तुलसी ने रखी दूसरी शादी की शर्त

क्योंकि सास भी कभी बहू थी' की शुरुआत में मिहिर महाराज से पूछता है कि तुलसी के अकेले अस्पताल जाने के बारे में उसे कैसे पता चला। गायत्री बताती है कि तुलसी किसी को परेशान नहीं करना चाहती थी। मिहिर उसे ढूंढने के लिए दौड़ता है, लेकिन उसी समय तुलसी भी अंदर आ जाती है और उससे कहती है कि उसे उससे कुछ पर्सनल बात करना चाहती है, लेकिन पूरे परिवार के सामने बात करना पड़ता है। मिहिर उससे पूछता है कि क्या हुआ है? तुलसी उसे नोयना की हालत के बारे में बताती है और मिहिर तुरंत कहता है कि नोयना उससे झूठ बोल रही है। तुलसी कहती है कि उसने खुद डॉक्टर से बात की है और यह झूठ नहीं है।

कहानी में आगे देखने को मिलता है कि कैसे तुलसी-मिहिर से नोयना के बारे में बात करते हुए, कहती है कि इस बात उसे हमारे प्यार और साथ की जरूरत है। गायत्री को लगता है कि नोयना को उसके पापों की सजा मिल रही है। नंदिनी को नोयना की इतनी हिम्मत पर यकीन ही नहीं होता। तुलसी इतन तमाशे के बाद भी नोयना की आखिरी इच्छा पूरी करना चाहती है। तलुसी सभी को बताती है कि वह एक शादीशुदा औरत के तौर पर मरना चाहती है और उसका पति मिहिर हो।

जमीन विवाद में घिरे सोनाली बेंद्रे के पति गोल्डी बहल, लगा धोखाधड़ी का आरोप

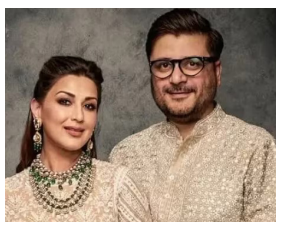

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनाली बेंद्रे और उनके पति गोल्डी बहल पर पुणे के मावल में करीब 30 गुंठा (3,630 गज) जमीन के सौदे में धोखाधड़ी और नियमों के उल्लंघन का आरोप है। स्थानीय किसान चंद्रकांत शिंदे का दावा है कि जिस जमीन को गोल्डी बहल ने खरीदा है, उस पर 1957 से उनके परिवार का पैतृक अधिकार है, जिसे नजरअंदाज कर यह अवैध खरीदारी की गई है। इस मामले में अब वडगांव मावल के सिविल कोर्ट में याचिका दायर की गई है। किसान चंद्रकांत शिंदे के दावों के अनुसार, उकसान स्थित 30 गुंठा जमीन यानी करीब 32,000 वर्ग फुट ज़मीन पर साल 1957 से पहले से उनके परिवार का कानूनी हक है।

श्री हनुमान जन्मोत्सव पर 'रामायणम्' का दूसरा टीजर आउट

भगवान श्री राम के किरदार में दिखे रणबीर; फिल्म के दो पार्ट का बजट 4000 करोड़

रणबीर कपूर की फिल्म 'रामायणम्' का दूसरा टीजर रिलीज हुआ। टीजर को श्री हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर रिलीज किया गया। 2 मिनट 38 सेकंड के इस टीजर में रणबीर भगवान श्री राम के रूप में नजर आए। पूरे टीजर में फोकस भगवान श्री राम के व्यक्तित्व पर किया गया है। इसमें भगवान श्री राम का वनवास, लंका दहन और कई पहलुओं को दिखाया गया है। भगवान श्री राम के रूप में रणबीर का किरदार सादगी से भरपूर लगा। उन्हें राजा श्री राम के रूप में भी दिखाया गया है। रामायणम् को नितेश तिवारी ने डायरेक्ट किया है। प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा हैं। इसे प्राइम फोकस स्टूडियो के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया। वहीं, विजुअल इफेक्ट्स स्टूडियो DNEG और यश की 'मॉन्स्टर माइंड क्रिएशन' से बनाई गई है।

» **पहला टीजर पिछले साल जुलाई में रिलीज हुआ था...** फिल्म का पहला टीजर पिछले साल 3 जुलाई को रिलीज किया गया था। इसमें भगवान श्री राम के रोल में रणबीर कपूर और रावण के रूप में यश की पहली झलक दिखी थी। इसके साथ मेकर्स ने दूसरे स्टारकास्ट का नाम भी रिवील किया था। फिल्म में माता सीता के रोल में साई पल्लवी, श्री हनुमान के रोल में सनी देओल और श्री लक्ष्मण के किरदार में रवि दुबे दिखाई देंगे।

» **ऑस्कर विनिंग कंपनी ने बनाया वीएफएक्स...** इस फिल्म के वीएफएक्स का काम इंटरनेशनल कंपनी डीएनईजी ने किया है। डीएनईजी एक ब्रिटिश-इंडियन विजुअल इफेक्ट्स कंपनी है। इसने अब तक 8 ऑस्कर अवॉर्ड जीते हैं। रामायणम् के प्रोड्यूसर नमित मल्होत्रा ही डीएनईजी के सीईओ हैं।

» **ए.आर रहमान ने म्यूजिक कंपोज किया...** 'रामायणम्' की कहानी श्रीधर राघवन ने लिखी है। उन्होंने पठान और वॉर जैसी फिल्मों का स्क्रीनप्ले भी लिखा था। वहीं, फिल्म का म्यूजिक जर्मन म्यूजिक कंपोजर हंस जिमर और ए.आर रहमान ने दिया है।

» **4,000 करोड़ रुपए के बजट में बनी है फिल्म...** फिल्म रामायणम् को 4,000 करोड़ के बजट में बनाया गया है। इस बात का खुलासा खुद फिल्म के प्रोड्यूसर ने किया था। नमित मल्होत्रा ने दिए इंटरव्यू में बताया था- जब हमने छह-सात साल पहले इस फिल्म को बनाने की प्लानिंग की थी, तो तब लोगों को लगा कि मैं पागल हूं। क्योंकि किसी भारतीय फिल्म का स्केल इतना बड़ा नहीं रहा है। दोनों पार्ट्स को मिलाकर फिल्म का बजट करीब 500 मिलियन डॉलर यानी 4,000 करोड़ रुपए से ज्यादा है। हम दुनिया की सबसे बड़ी फिल्म बना रहे हैं, जो ऐसे महान महाकाव्य पर आधारित है जिसे वैश्विक स्तर पर देखा जाना चाहिए। फिर भी मेरा मानना है कि हम इसे कई बड़ी हॉलीवुड फिल्मों से ज्यादा अच्छे तरीके से बना रहे हैं।

बॉलीवुड न्यूज

बिग बॉस-18 कंटेस्टेंट रजत दलाल ने शादी की

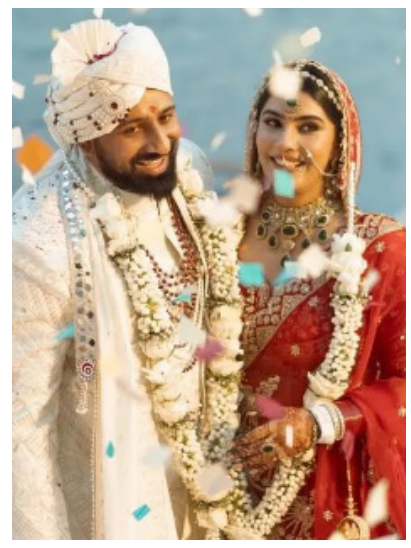

» बिग बॉस 18 कंटेस्टेंट और फिटनेस इन्फ्लुएंसर रजत दलाल ने लॉन्ग टर्म गर्लफ्रेंड से शादी कर ली है। इस बात की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। रजत ने इंस्टाग्राम हैंडल पर पत्नी के साथ कुछ तस्वीरें शेयर कीं। कैप्शन लिखा- जिंदगी के एक नए फेज की शुरुआत। शेयर की गईं तस्वीरों में रजत ट्रेडिशनल ऑफ व्हाइट शेरवानी में नजर आए। वहीं, पत्नी ने रेड ब्राइडल लहंगा पहना था। साथ ही दोनों नदी के किनारे खूबसूरत बैकग्राउंड के सामने पोज देते दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, रजत ने अब तक पत्नी का नाम रिवील नहीं किया है। तस्वीरों के साथ रजत ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर एक वीडियो भी शेयर किया है। वीडियो में उन्होंने कहा- मैं जिंदगी का एक नया चैप्टर शुरू करने जा रहा हूं। आप सभी ने मुझे जो प्यार और सपोर्ट दिया है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। मेरे छोटे भाई, बड़े भाई, सभी मुझे आशीर्वाद दें।

हियरिंग डिसऑर्डर से जूझ रहीं अलका याग्निक

» प्लेबैक सिंगर अलका याग्निक ने हाल ही में अपनी सेहत पर बातचीत की है। उन्होंने बताया कि वो डायग्नोसिस करवाने के एक साल बाद भी चीजें नहीं सुन पाने की बीमारी से परेशान है। एक दिए इंटरव्यू में अलका ने बताया कि वह अभी पूरी तरह ठीक नहीं हो पाई है और उन्हें लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस बीमारी का असर उनके प्रोफेशनल लाइफ पर भी पड़ रहा है। उन्होंने कहा, "कभी-कभी कंपोजर्स मेरे पास आते हैं, लेकिन मैं काम नहीं कर पा रही हूं।" हाल के महीनों में नए प्रोजेक्ट्स से अलका की गैरमौजूदगी साफ तौर पर महसूस की गई है, खासकर म्यूजिक इंडस्ट्री में। अलका अब वह नए असाइनमेंट्स नहीं ले पा रही हैं, जिसकी वजह उनकी सेंसरिनुरल नर्व हियरिंग लॉस बीमारी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उनका आखिरी रिकॉर्ड किया गया गाना 'नरम कालजा' था, जो अमर सिंह चमकीला(2024) के लिए रिकॉर्ड किया गया था।

वरुण धवन के परिवार को अंडरवर्ल्ड से मिली थी धमकी

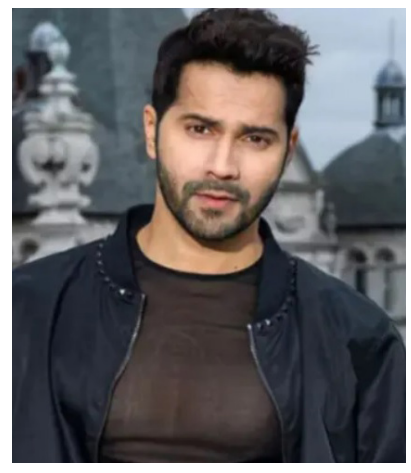

» 1990 के दशक में बॉलीवुड पर अंडरवर्ल्ड का काफी असर था। शाहरुख खान और करण जौहर बता चुके हैं कि उन्हें धमकियां मिलती थीं। अब इसी कड़ी में वरुण धवन ने खुलासा किया है कि उनके परिवार को भी अंडरवर्ल्ड से धमकी मिली थी। इस वजह से उन्हें एक दिन के लिए अपना घर छोड़कर कहीं और रहना पड़ा था।

वरुण ने कहा- हमें भी कॉल आते थे, लेकिन हमें शुरु में पता नहीं चला कि क्योंकि हमारे स्टाफ वाले ही कॉल करने वालों से बहस करते रहते थे। स्टाफ ने तो हमारा पूता पता भी बता दिया था। उन्हें मिलने के लिए भी बुला लिया था। यहां तक कह दिया कि उस गार्डन में आओ, वहीं मिलकर देख लेंगे। वरुण ने कहा- हमें इस बारे में तब पता चला, जब किसी एक्टर ने पापा को कॉल कर चेतावनी दी। मामला तब हाथ से निकल गया, जब धमकी देने वाले ने कहा कि वो बंदूक लेकर आएगा। उसे हमारे घर का पता और ऑफिस की टाइमिंग पता थी। इसके बाद हमें उस दिन घर छोड़कर कहीं और रहना पड़ा। यह सुनने में मजेदार लगता है, लेकिन असल में यह बिल्कुल भी मजेदार नहीं था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कलासो देवी के द्वारा सूचना प्रिंटर, 33 एस मॉडल टाउन मार्केट हिसार, हरियाणा से मुद्रित करवाकर बाला जी सेनेटरी स्टोर, करनाल रोड, डिफेंस कॉलोनी, गली नंबर-8, रिलायंस स्मार्ट पॉइंट के पास, कैथल से प्रकाशित। संपादक कलासो देवी। किसी भी विवाद के लिए न्याय क्षेत्र कैथल होगा। RNI No. HRHIN/26/A1127, मोबाइल नंबरः 9499422208, Email: Info@hindustanekta.com